


4-219 पत्रवली पेश हुई. बकील अर्फी मज
अर्फी उपाखित नही. नमादालम में विधिदह
कर-कर आवाने लाम्बार्ई गई. इसने
अपराज भी उपाखित नही हुए. अतः
अर्फी का कडपत्र पर कालु हाजरी. कालु
फरकी रानी स्वर पर खारिफ भिगत
जाता है. पत्रवली केवल शुमार होकर
नम्बर ले कर डेकर साखिष दफ्तर हो

साखिष


उपजागर
सराझ, जिला-उदयपुर (राज.)